

नसस्ति ६५ नी २ क ७७ उम न

२ क ७७ उम न २ क ७७ उम न

२ क ७७ उम न २ क ७७ उम न

२ क ७७ उम न २ क ७७ उम न

२ क ७७ उम न २ क ७७ उम न

२ क ७७ उम न २ क ७७ उम न

२ क ७७ उम न २ क ७७ उम न

२ क ७७ उम न २ क ७७ उम न

२ क ७७ उम न २ क ७७ उम न

२ क ७७ उम न २ क ७७ उम न

२ क ७७ उम न २ क ७७ उम न

२ क ७७ उम न २ क ७७ उम न

२ क ७७ उम न २ क ७७ उम न

२ क ७७ उम न २ क ७७ उम न

२ क ७७ उम न २ क ७७ उम न

२ क ७७ उम न २ क ७७ उम न

२ क ७७ उम न २ क ७७ उम न

२ क ७७ उम न २ क ७७ उम न

२ क ७७ उम न २ क ७७ उम न

श्री
गणेशाय
नमः

ॐ नमः ४ श्री ३ हानिदिदये ४॥ क्रयां क्रमसर्वं मत्तदा न निषिद्यु
मनुयाय यः क गव्यः कालवा चारुयल वास्यं अन्नया ऊडा रवः
कनः ३ नद्या उध्वः खज हा अयनाः जाया अजिध्वः थारिं आदि
थानि स्वतः धनकाशः लिवाय गुनु मधुलः सिद्ध कय मधुल थि
लकि कन विमर्जन गामा धिमनु भाह निरुयः क्रम यऊा सग्व
मत्तहा लतिषि ३ इ नया थारिं कावा अया थानि यऊा याय ॥ थ

नमदा कंरु यऊा गाराव ता ॥ गारा ह कुल नागस्व नूया हृदल पद्म
यनिष्ठं का नवतिर्क कृष्ण सनीः इ न दूय निट का न ऊ व नूध स्व
नवं कृष्णं ॥ थ यन या अना ग वा य ॥ ॐ न स्व न न ऊ का न ऊ
वा धिरु कृष्णा मृग विरा वा वा मृद्व व ड वा य म नू ॥ ॐ अ ह ४ हा ४
ही ४ अर वी स्वा हा ॥ स्वा न मालान कर वा य की ॥ ॐ गं ही खं वं हं ॥ हिल
खा ॥ ॐ अ ह व नू क स्य धर्म दया ॥ ॐ न भाग गत्ये नाम कि डं मृग रु

ॐ दिगाककासमावन्त्राकाससमयरायांवके ४ काका
नादिव्यगुजानष्टदशाविनासर्वत्रन्नविचिनीगिखझ
दिष्टारुक्कप्रनवशौवनसंयन्नानमस्तुप्रसदनी
गामुक्ति॥ ४४ ॥ तिमहाकृष्णपूजा॥ धनदवीस्तुमावा
हनमस्तु॥ ॐ किं सां ४ हा न तिय ४ ४ व नी जा ग नू हूं हूं
दुखाहा॥ धा न द ॥ हा व ना॥ ॐ न द नू म टि गि न का न

यनिमरंजानिमधुलीमध्वरुमृष्टान्नवकंकलरध्वरुं
 कात्रयनिमरंसिमयसत्तुं॥कुरुनलयीरभयत्रिललिगा
 धनरुहारगोचरध्वरुमनपनयमसरवन्नुयासत्तुलीकालवि
 ह्वसिगा।यिचंकरात्रत्वाकंकुरुकाळुषंटाहिरुवदनापच
 हारयुक्कीरामदात्तवाहात्रिमिमहायकलीकावयकु
 रायाद्यादिवकाकृष्णादिशायसुखी३महाहानकीयकलीस

वैविद्याजाऊनमासुक्तं ॐ कामिपूजि संतु नार्थमधुलीकनू
क्षालकं॥ लिखानीमनकं यार्थयुक्ताकं पूजनाय यगन्मिरुक्त
स्यरुगवनयसादककुं मरुसिसन्नाहर्दुमीवृद्धा ४५
गवककि यार्थदरुलस्कावाधिसत्त्वाध्यायान्यामकुद
वमा ४६ वमालाकपाला ४७ हमा ४८ सर्वधिसासिमा ४९ सास
नाहिजमासत्त्वान्यथकविद्वज्ज्वरुवाभूरुमहावज्जीहा

वनियक्षेत्रीकाद्यमपुलंकलिखामिऊगचू रधोयथा
सक्यवा २४॥ अमूर्कयामयादायसच्छिष्यवत्समपुलं
सहिनः सर्वसानिर्धककुमरुर्थ॥ ॥ आवाहमयत्ता ४९
नमिमहायक ४९० रुन २ सर्वयायानां निमज्जीयकनियव
धनिहंरुदस्वाहा॥ यर्ननिनिमंततास्वानकननिनारुतध
मधुलधिनिमन्त्रनर्ननिवका॥ ४९६ कयवर्मगधसहर्जककि

मंन धाददामिसर्द्धयावाहंयतिनयंजथासुखी हानिय
कलीरुहावकस्यमिन्नकहखनखाहावादिहयकोउंस
वृथागगहृदमूर्खस्वाहा॥ कर्षयकायकपुनायनय॥ उंसर्व
मथागगहृदकवमुखाहा॥ कर्षमकायय॥ स्वाहाजाय॥ कर्षय॥
स्मिवाक्कादि॥ उंसर्वकयनमंयुयंजलजंथलजंमथाददा
मिन्नधयावाहंयतिस्वसिर्ग॥ धनमृदयय॥ उंसर्वललिगवि

नामनामिन्नमा मिजहूंवंहो॥ कूरुमांजलिनाथसमयह्यं
उहा॥ धनवमधिगयक॥ उंसर्वमथागगसुवर्द्धथायस्वाहा॥
कूलगुनीपिवाधावादाहाय॥ नेवाद्यंयउसायन॥ पायराका
समक्तिर्गंवर्द्धगन्धनसापगंयुगिरुद्रयथासुखी॥ ॥
धनजागवलरुद्रायवाका॥ उंसर्वमिन्नहायकलीपकपुण
धगयनिवानाधर्वद्धवावापमियानिनी॥ रुनरुसर्वपाया

न सर्व यक्षीय वलय यक्ष्दीपि लिङ्गादयं गुरु २ कीर्त्तन
 यथ नमस्तु ध्यानाय ॥ इदं नमस्तु नमस्तु गुरु ३ मृतं नमस्तु यथा
 कर्माणि सक्तु ध्यानाय ॥ इदं नमस्तु नमस्तु गुरु ४ विना कर्माणि
 न संकल्पानि न ह्यस्वप्ना ॥ नमस्तु ॥ इदं नमस्तु नमस्तु गुरु ५
 नाम्बुजं यमि गुरु ६ यथा सर्व ॥ इदं नमस्तु नमस्तु गुरु ७
 नमस्तु दीपं सक्तु ध्यानाय ॥ इदं नमस्तु नमस्तु गुरु ८

म॥ ॐ ऊय२ विऊय२ रुन२ हं ३ हा निगी यक्ष्मी सर्वेश्वर मंत्रनी
स्वाहा ॥ ॐ हा नगी भवज्जपूय्यपि निष्ठा स्वाहा ॥ ॐ यक्ष्मी यक्ष्मपू
य्यपि निष्ठा स्वाहा ॥ ॐ वृक्ष्म यक्ष्मपूय्यपि निष्ठा स्वाहा ॥ ॐ हा न
निष्ठा यक्ष्मपूय्यपि निष्ठा स्वाहा ॥ ॐ दिगी यक्ष्मपूय्यपि निष्ठा स्वाहा ॥
ऊय्यपि निष्ठा स्वाहा ॥ ॐ रुगी यक्ष्मपूय्यपि निष्ठा स्वाहा ॥ ॐ हा न
निष्ठा यक्ष्मपूय्यपि निष्ठा स्वाहा ॥ ॐ यक्ष्मपूय्यपि निष्ठा स्वाहा ॥

ॐ यमिसनायवज्रपृष्ठीयमिच्छुस्वाहा॥ ॐ महासाहस्रयम
दनियवज्रपृष्ठीयमिच्छुस्वाहा॥ ॐ महामायनिवज्रपृष्ठीय
मिच्छुस्वाहा॥ ॐ श्रीगवतीनवज्रपृष्ठीयमिच्छुस्वाहा॥ ॐ मन्त्रा
मसालनीवज्रपृष्ठीयमिच्छुस्वाहा॥ तायजायमन्त्र॥ ॐ श्रीगुं
हानिमियद्वनीस्वाहा॥ ॐ गथासनीनसवादिगलंगुवे
धनागधघरवादिकीत्यजमिहं ३२२ स्वाहा॥ यधमा॥ अका

लमूरवा॥ ॐ आकांकीसकनगधवीनवीलध्वनीतायानिकने
अवगज२कुदहादिरग्नकयानाधीर्धनकांकनूहंरुदस्वाहा
ॐ दस्वलियुक्त२हंरुदस्वाहा॥ दक्षभाकिरय॥ ॐ मि
हलमियजाविधि॥ गथनवलिल्लयं वलिसस
यछांनगसीवलिल्लयानलमायस्वाहा॥ द्यायहाय
क॥ ॐ वलियुजावाकपूजासंलुलधिलसम्प्रकयवि

सर्जन ॥ अहंतातातामाहानि नमं न वक्ति न के उं व क्र २ स
मन व रु ध स्वा हा ॥ आरु स रु हा मा गं वी ध्व ना उ द्वा य
भा क मि धि म न वि य कि न न ॥ न त्वा यी ७ धि ना द वी र गो
न व र्ण स म य र्ण ॥ ४४ व द्ध णी न व र्ण ॥ ५५ न मा मि रु रा त्मा हि
नी ॥ य च यूरु ण ना य स्था य त्रि वा न म हा त्स र्व ॥ व द्ध ण स
न र्ण द वी हा ल नि य न मा म्पा द ॥ स ग्गा क न क मा म्पा न र्ण

न ॥ स्वान का य ॥ बालि त्रि सर्जन या य ॥ वि यं धि या ॥ व
४४ नि हा त्रि नि पू मा ॥ ५५ उं न म १ ६ व रु स त्वा य ॥
मू य णां नि व त्वा व न मा ह ॥ वि धि र्थ स्था य न या य ॥ ४५ कि
व त्वा व न या षट् का न या य ॥ कि का णी म रु ला का न र वे रु या
व द्ध णा क र्ण म स्था य त्रि वालि हा र्णुं स्था य य रु ग म्पा र्थ च रु
न म रु ल य च ग व सिं ध न य म रु ल थि ल कि न न र्वा व लि

कलेसरावना

शुभसमाधिगालसयूजा॥ धनकलससम्बननागय
सकलपूजा॥ कसरावना॥ उं नका मगादक ०० हूं उं नफ
२ स्वाहा॥ मधुअनिनिजमनूर्यविहावा॥ मटिकी गुं ऊं हूं का
नयमिधनमसूर्यं पुर्वे रक्षकं अग्निमकी याम्या क्रुं न
मह्यवित्रिं यं योषि मरुतिं वायुयनी ल इरुं नयी री हूं
अने सिनं नम मधु रक्षकं अर्धवद रक्षकं नरुतामकट

किलनरावना

वदुमधुला नरुय रक्षा पवीतिनं सवायमरुतामभय
प्रानरुयका नानगं धुं हूं वरुं धा निक कलसचिहावा
॥ विधिवत्पूजा॥ धनभा निक य रू अग्नि रू यनपूजा
अग्नि रू निमामकी पूजा॥ दवयू जा विधि रू दवना रू
मिगधननिनालसकील नाय म उं घ २ घा ट य न्या दि रा
रावता॥ उं दयनिरु अग्नीमयकील कम रक्षा म क रू य

का नमोऽपि यत्र ३६० त्रिकवर्जं सर्वविद्यानका कालं कुरुः
 विविंशत्यैकाग्रं वायुमण्डलं नकाग्रं मिमण्डलं वका
 नक्षमहासमुद्रं नमः १५ पीतलं काग्रं वदुन संमीतमा
 हृदमण्डलं नमः १६ त्रिकवर्जं काग्रं मण्डलं नमः १७ सप्तमं विंश
 व्यं १८ त्रिकवर्जं काग्रं विंशवर्जं मयं नमः १९ मध्यमी नमः २० का
 नाधिष्ठिनी वैशाखना नृपा नक्षत्रा विंशमन कृताज्ञानं विंशव्यं ॥

२० त्रिकवर्जं ॥

याशादिधूपनिर्गंजनलाहाग्निनका विधिं यथा पूजादि
 वकाज्ञानं यथा न्यासः यथा मण्डलं नमः २१ नकाग्रं नमः २२ का
 यः २३ यथा मण्डलं २४ कालं मण्डलं २५ वदुन विंशवर्जं २६ मयं निष्ठिनी
 वदुन स्वाहा ॥ यथा नमः २७ मासादानं विंश ॥ २८ यथा नमः
 निष्ठिनी विंश ॥ २९ स्वल्पं स्वल्पं ॥ ३० उक्तीं मा वसन्तं प्र
 तिष्ठ स्वाहा ॥ नमः ३१ वायुमण्डलं नमः ३२ नकाग्रं नमः ३३

मधुर्लंगगायत्रिदिमुत्तुक्तवृत्तिकायां विगयप्रशंज
नमस्तुक्कादियत्रियुत्रिगगायत्रिकं मां किं रवं हं लो मां
यावकात्रजागयश्चमृगयश्चयदीयनूर्ययश्चधृगं ॥ ३
मा ४ हं मा का न ऊं क्षी न स मृद त इ यत्रि उं का न ऊं यश्च
वायुस्वरावयश्चयुगाकांस्वाकां न ऊं वा लुकि स्वरावं उय
विस्वाहाका न ऊं विवि यय्या माला न रुमः स्था का न ऊं

उं का न ऊं गिलादियिष्टं गां का न ऊं न ऊं क्षी का न ऊं म
स्थै र्वं का न ऊं मां मं हं का न ऊं सर्वं धिर्की ॥ ५ वं नृधिन
मत्स्यमान्ननका न का यविगसर्वं धिर्की ॥ ६ य गा का दि वि र्की
यथा कर्म यथा गवा नानि नैपालव नरि न कन्या कुरु
नका मर्नि र्छा न काम नृ केला मरु गु केदा न नृ य पूरु ल पू
न का न जाल नृ माल नृ कूल नृ कूलान्दवी का ८ काला

पूनि काल ६० नऊयानि उई यधीच निजायून की नक
नहामि नायून अठिया नय विसन मायायून जल ६० नम
लय ६० कर हो लभ नूगि निगि निवन मरु दवा वन दि न ६०
महा लोक्रि आठीयान च्छाया च्छाया काठि वर्य मिश्र वा ६०
थना ॥ ६० ॥ दि म दा भा यी ला द्य ६० ॥ क ता आ लिका लिय
नि म ग व द स र्य क न द या न क र्म ६० ॥ का न र्म ६० ॥ ६० ॥

आ न्या नू ग ता स च्च ध र्मा य न स्य प ता नू ग ता स च्च ध र्मा
अ न्या नू ग ता स च्च ध र्मा द व य प मा धी स म य प मा धी र्म
इ क्क वा च च र्म ग प मा नै र्म न स ह्य न र्म व यून तां दि
आ म मा नू य ६० ६० ॥ गी र्म व ६० ॥ क्रि जा ना द व जा ज लि
६० ६० ॥ वं ६० ॥ व ज्ज कि न्य स म य ६० ॥ ६० ॥ वं ६० ॥ ॥
६० ॥ क न र्म ६० ॥ व च्च ६० ॥ ग य ६० ॥ दार य ६० ॥ ६० ॥ ६० ॥ ६० ॥

दृशदहृयवशरुहृवसनुधिनाकमालावनमिचिन.ग
कृशसफपानानगगुरुकृशसयवानुगुयशकाकयश
कीरुहृंश्रीरुहांश्रीरुकिंलिशंभिलिशधिलिशदि
निरुहृंशरुहृश्रवाहारा १ वाउंरवश्रवाहिरुसर्वय
कृनाकृसरुहृयगापेक्षावाभादायस्माज्जकजकिन्ना
दय.हृर्मवलिरुहृकुसमयनरुहृकुसर्वसिद्धिभययच

यथेवगरुथवुरुहृथपिवथजिघृथमारुहृकुमथममस
चसलानाचरुसर्वाकालरुहृथशसुखयवृहृथसहाय
कारुहृहृहृहृहृ २ वाउंरुहृहृहृहृहृहृहृहृहृहृहृहृ
प्रिमकरुहृकुवलिविभिरुहृहृहृहृहृहृहृहृहृहृहृहृ
श्रुआयापकिर्वायधनाधिपश्रुहृहृहृहृहृहृहृहृहृहृहृहृ
उहृ

नाघना गुफगरो समस्तानि २ त्वेकानि वदयन्नुस्वक
स्वकारश्चेद्विष्णुसूक्तगान्द्रुक्तु दुक्तासगरक्षेसभेशा ४ स
पूयदानाः स्वजनैः समस्ता पृथग्वलिधूपं विलयनश्च गृह
नुरुक्तुः पिवन्नुवदं दुर्वृत्तकर्मसंश्लेषं गन्तुं स्वाहा
गालोकपालवज्रिण ३ गान्द्रुनमान्नलपयायनमश्नुवन्
यानयमाहावीर्यश्रीमन्मनयनभूषाक्षगृहीतह

स्वायंभुवः ककुब्जुलिखरखरवाहि २ निष्ठ २ वध २ रुन
२ यव २ गङ्गा २ विष्णु २ य २ सर्वद्विनायकानीमहाग
क्षपतिजीविनाककलायद्वं २ रुद्र २ स्वाहा ॥ ४ गान्द्रु
४ सर्वस्य ध्वजदण्डादिगलोकधातुजनकगगक्षसमृद्धम
द्ययूरुपसन्नपन्नमाधूनकायममलुलपनाकनगरक
समावस्थावर्हिः कधर्मधातुसमवसन्नलक्ष्मीकाधधातु

[illegible]

लिङ्ग ६ गण्ड आहं ह्रीं १ नमो का नामि च नमः सूर्य व द्धम
 नल ७ कृष्णानिश्च नमः सूर्य गि क उ स्य १ सयानिवा नय १ ००
 देवलिङ्ग यूप्य धूपदी पादगद दाम ह रु वा ग स्य सयानिवा
 नानीष्टी च आ ग च्छ २ ०० देवलिङ्ग कुरु स्वा द कुपि व कुज
 १ हूं वं ह्रीं १ सूर्य का न्मयानिवा नवज धन आ ह्रा य य गि हूं हूं
 स्वाहा ॥ पिथिका वलि ॥ न गण्ड हूं ह्रीं १ वगान विष्णु क का

[illegible]

महवीर्यकवृत्तानां सफधम्मनिं सधानां उं अहीगोरुयेरु
उंसकत्रविमले उं पङ्क्ति उं उष्ट्रीषवकवर्लिसर्वमनुकर्म
नउत्तकीवधवाभक्तमयकुगलुकनविहृतसर्व. छिन्द
ह्रिन्दमिनिरहंरुद्रस्वाहा ११ गउं हानगीमहा
यक्षणीयीयंकनीमहायक्षसनायकययकयूषधक
यनिवावालां महात्सवानानावैशुधनूधनासर्वानंका

[illegible][illegible]

नमो भगवते वासुदेवाय

॥ १३४ ॥

चन्दावविश्रन्मानिणी शकस्येकयदावेववृद्धादिरेक
 नायका काया निधी महारागाधन्यालंकेष्वनीकथाः
 न्याश्चवहवाविशासत्वा न्यरु कालिनी ॥ कथयथा ॥
 कालीकलालीकुम्भाष्टीर्षाखिनी कमलाक्षी हानिनी
 त्रिकक्षीयमहनीयमनाक्षसी प्रवनी चरुगयसनी यमि
 शुर्दगन्धयूयधूपवर्लिचदास्यामि ॥ २३ ॥ क २२ यमम

DM 184

चसत्त्वानां सर्वरुथाषड्वयं ४ जीवन्तुवर्षं नयं ४
 कुसप्रदा नयं सिद्धन्तुमनुयद्वयं ४ स्वाहा ॥ १२ ॥
 मालाकनाथाय दवा सुनयन नाक्षसादि विचित्रिण्या
 दयूमास अरुणादि सहिर्षवल विनिर्गका नूति
 कायं ४ देवालिङ्गनादि विनिर्गका नूति ४ मां सर्वसत्त्वानां

चननकादिदुखा. लानय २ उर्ध्वय २ सङ्घय २ वृद्धसत्वा
धर्मसत्त्वसंघसत्त्वसत्त्ववादि सत्त्वन ३ अ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०
२० १३ वज्रगानसिद्धिकनी सत्त्वहयहनधी सत्त्व ६
सूय ६ सानकीलय ०० दीवलि यवसमृक्क गृह २ २ २
खादि २ सत्त्व ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०
वचय २ मम सत्त्व सत्त्वानाव ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०

आ ४ दीहा ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०
नका विद्यानक क ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०
निवानय ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०
हंनवागयसय निवाजा न ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०
गिर्व ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०
कनूदीवज्रन ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २०

स्वाहा २२ ॥ उं आ १ हुं हा १ वृक्षा विष्णु ने मय वायु य
माग्नि समुद्र १४ ने आ य दैत्य विदेव लिङ्ग नु रवा दनुषी
वज्र १ हुं वं हा १ सरका गाना तुमि स्वाहा १५ ॥ नि पू १ स्त
प्रक्षी वन वधु र्गि कृ नू हुं २ रु द स्वाहा ॥ २३ ॥ उं आ १ हुं
हा १ जय विजय न दाय न न द य भ क कौ ट क वा म कि धी
स्वया ल कु लिका न क न क का हा य भ ल स य नि वा न

स्वनिर्देय गन्धधूप दीप मद्रु द द म्म हुं न वा गत्य स्त
या न वा नानु धी घा मिर्देव लिङ्ग नु रवा दनुषी य व नुषी
वज्र १ हुं २ रु द वज्र धरा स्थापय नि स्वाहा ॥ २४ ॥ उं व
जाल लिङ्ग १ हुं वं हा १ वज्र ज कि न्य सम य हा व ज्ञा जालि
उद्भ वि कट वलि द या न निष्म र्द्ध क उं स्व स्व स्वादि २
सर्व य द्वा द स ल क य म पिष्ठा वा ला द य म्मा न उ क

जकि न्यादय ॐ देवलिगृक नु समय न क नु सर्व सिद्धि
मय यच्च उरु यी व नु क्षी घी ॐ देवलिगृक २ ॐ २ रु २
२ स्वाहा ॥ २१ ॥ ॐ नानक्षी सर्व दृष्टानां सर्व रथी नासनी
व नु मां न रथ विध्वं क्षी नी देवा स न न न ग च च कि न न म हा
न ग म य य ड व य क्ष म नी य न क न य न म नु का दि य या ग मा दि
ना स नी र ग व नी इ र्ग न न क्षी मा ग च २ ॐ देवलिगृक २

मम सर्व क्ष कं व र वा दि २ सर्व व च व्या धि ति ग हा नि हं ३
२ २ स्वा हा ॥ २३ ॥ ॐ न मा य न क्षु या क्ष म थ ग ना मा
ह न स मा क्ति वृ द्धा य ग म थ ग ॐ म न २ क न २ रु न २ स म
न २ ग य य २ सर्व ध ना नी स्वा हा ॥ २४ ॥ ॐ न रु दि न
क ज टी न मा र ग व नी ॐ देवलिगृक २ गृ क्ता य य २ य न वि
शा वि ध्वं क्षी र ग व नी मा क र्थ य २ क न २ रु द २ रु द २ उ

[illegible]

सर्वविघ्नीहृज २२ व तुम्मानि नानि वा न श २००० २००० २०००
 खादा ३१ १ नमः ४० जीगुली श सर्वय ह माजी श
 विषद्वरवनी रुहली श वृत्त वा निषी संघट निमिग मा
 नद्विषय विषय २००० मी वलि उ ऊर जी घृत्त ऊर ऊर ४४
 हा ॥ ३२ १ नमः ४० ग व न म पय ऊ न सर्व धु न
 आनिक न रुहली मिथा ग व न म ह सु रु न ००० मी वलि

रुगवगीवजदममर्क ३ पुननशिनमसुममदवीसागा
नृग्रहंकोनृ२००मवालिरुद्र २३ वज्रयागिनीहं ३ रुद्र
स्वादाग ३ ५ राडंनमारुगवगीहृन्नमसुयक्षसुत
वेवृद्धजाविथवज्रवर्हनीथवज्रवेनाचनीथ ००मैव
लिरवरखादि२ममविनृवचिरुकांरुमिन्नुनमयपा
तानगरुधकातुपादरुनृनृसवृमममभानिंयुष्टिक

नृनकावजमगुफिकनृहंरुद्रस्वादाग ३ १ १०
नमारुगवथेवज्रगमभानीथमूनक ६ मसदुमयुठन
यदीयगजीयउगकिनभरुयानकायचरुदिरुयालं
नदानांमैद्यथ ४ ३ आक २ वज्रदवादिर्कयचानम
मयभानिंयुष्टिकनृजीवनरासयिष्यामिणीर्धुं००म
वालिरुद्र २ ३ मृनृ२ ३ नृ२ मृनृ२ च नृ२ धन२ नृ२ ग२ न

ॐ यय २ यूनय २ आसा मरु गवनी महा वज्र गंधात्री मे
क्षिप्तु वज्रपाथी नारायण यय नि स्वाहा ॥ ३८ ॥ ॐ नमो
सर्वमान विधी सनी ६४ कवर्धन कर्जु टि डं आ ४६ डं
ॐ मं वलि गुरु २ द्या टय २ स च दृष्टं दृष्टं दृष्टं दृष्टं स्वाहा
॥ ३९ ॥ ॐ नमो गवनि पुष्पाय नमि तामसा ६४
नयम हानी न नका य ३ पृष्ट कुरु ६४ ॐ मं वलि गुरु

जीव. पिचू २ यका वद्धनी जत्र २ मधा वद्धनी २ धिजि २
वृद्धि वद्धनी साहा ॥ ४० ॥ ॐ कुरु २ स च क नि कन
रु विवाद विद्या न. ॐ न २ रि न २ रु अ २ अ २ ६४ सु स रु
य २ ६४ ॐ आ ४६ ॐ दृष्टं स्वाहा ॥ ४१ ॥ ॐ नमो ध्याऊ
कयली. जय २ विजय २ जय वाहिनी सम सम ६४ क ३ २
य २ रु रु य २ म थ २ य म ध २ य स २ ६४ न क २ मी रु ग

कविः० मवलि गृह २ कु २ अ २ प २ न मे न्या वि धुं धा यि २
चल २ चालि २ चल २ कल २ किलि २ कु २ स च न था
गगवि ला कि नी स्वा हा ॥ गु ध ना ऊ प्र ता स स्वा हा ॥
चन्द्रार्क विमल स्वा हा ॥ सर्व न द्र रु धा मि क न र ल स्वा
हा ॥ न द्र २ मी स च रु य ल ४ स्वा हा ॥ ४२ ॥ उ न मी
न ल रु या य न मी मा मि रु दा व रु म न रु ल डा य म

हा ध न दा प य म हा य रु म ना य न य उ रु व रु म रु
न ०० दे व लि गृह २ रु व २ रु वा रि २ स म य म न स्म
न द दि द दा प य रु रु रु रु स्वा हा ॥ ४३ ॥ उ न मी
रु ग व रु उ य ता ना द य क रु दा य रु रु क रु टी न मी
प टी नां धां किं क नु यु रिं क नु म हा य रु धा धि प न य रु
म व लि गृह २ प न वि शी मा क य यि २ रु रु २ रु रु २ रु रु २

रुनरुजादिरुयता। धीनीसुर्वद्वानागयकादियायुपमम
नीनारुसोनादिरुयविध्वंननीरुगवगीयरुमारुकासिध्व
यरुनरुजादिरु४०॥ धीजागडूजागडूवालातीनरु
नरु४०॥ मवलिगृरुगृरुममसर्वविघ्नीरुनरुन॥
नियूरुईकनरुडूवव्यधर्गपठधरुसिद्धिमनुष
दस्वाहा॥ ४६ ॥ नरुयहायका॥ ॥ ३५॥

नरुकवदध्माध्मा नवायवककलुलरुश्रयामयाव
यरुथरुडूधून्यागनविध्वषगलाइनरुनरुगकहमी
मारुजाध्वविध्वषग४॥ कडूनूडमकाचोडदवदरुस
माधीरु४॥ कडूकलालविहसन्नन्दागीरुविनाय
का४॥ चामधुधालवीरुत्सीउमादवीरुसरुवा॥ क
याचविहयाध्ववध्माजिगाअपनाजिगा॥ रुडकालीम

शुभशुभयथागुरुजानयत् ॥ यकाचिह्नमोनिवर्तने
दवा ॥ न्यस्येकजान् पृथिवीगलहं कर्तुं लीमविल्लापय
मिः सपुत्रदावासरुहस्यसिद्धा ॥ शुक्लाङ्गुलान् यथा
यमवृष्टुनिवर्तितुता ॥ यनन्दनवास्तुनयवाद्यास्त
नविमलुलव ॥ नगत्रयवसर्वपुष्टवस्तुनिसमित्सस
र्वपुष्टसंगमपुत्रलान् यथापि कर्तुं धिवासावापिनज्ज

रगपुष्टवस्तुलपुष्टपुष्टाहपुष्टमहादधीपुष्टमभयधाय
वपुष्टनिर्मलपुष्टवाधिवारास्तुत्रकाननपुष्टन्यालय
इवगुरुपुष्टविहानवेत्यावस्तथाधमपुष्टमरथपुष्टानास्तुत्रकं
ऊलानां यत्कुरुताचिष्टगुरुवस्तुनिसमित्ससर्वपुष्टव
त्वत्रपुष्टवकवृष्टपुष्टमहायत् ० पुष्टमहाधमधानपुष्टमहावन
पुष्टिहादिमहादिवनपुष्टवस्तुनिसमित्ससर्वपुष्टव

वीधेष्ववहव्याचक्रमात्रयश्चमन्वृद्धमननिवहानि
थचराहृष्टासनासगन्धमाल्यापूर्यवलिधूर्योनिनयन
चरुक्तकुचुंक्तुयिवक्तुचरुंक्तुदक्षकर्मसहलीयुगक्तु
स्वादा॥

॥थनयलिकर्मविधिधूर्वालिपूजा॥

स्वप्नयूजा॥स्वास्त्यस्वप्नायनक्षत्राक्षयक्षिकीकार्यायन
यन॥यष्टुचदनस्वयाक्षीर्ध्वस्वप्नार्थनमस्तु॥यष्टुयू

कासीकला॥यीरुथराक्षनधागक्षगुत्रुवक्तुका॥लाकयाला
स्तुनीलायक्षात्राक्षसयिष्ठावा॥विधिगक्षक्षला॥मारु
लाक्षप्रयाला॥यागीन्यायागयूका॥स्तुलवलसदिगायान
मवापिक्तु॥अथादि॥अक्षक्षासयीथियम॥पूर्वजन्मकर्तु
कर्म॥यष्टुजन्मक्षुजायक्तु॥सर्वयार्पीविनिर्मुक्तीसर्वार्वा
ससगच्छुक्तिगर्भन॥

॥वाकपूजामस्तुलथिल

संज्वननयदक्षधामपूजासमयायकवलिसुयविसर्ज

यायम ॥ तं ऊं ऊं ऊं वीनवरुहं रुहं रुहं ॥ धामत्रममूम

दासा ॥ ॐ निवलियूजाविधिसमायं ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ नमः ॥ वीनवरुहं रुहं रुहं ॥ दानपूजाविधि ॥ गुलिदानवि

यमात्रउल्लेकायुष्मायाहुअनेथायनय ॥ धनवलिपा

द ॥ वियदानदक्षपूजादानसकनन ॥ ॐ नमानवयस्त

यमासूर्यसाममहं वन्दधामपूजावधक्तथा ॥ त्रहस्यानि

समुद्रकनविजं नारुक्तुकी ॥ वन्दवजाकनं ॥ वन्दवकुअ

यालिकमात्रकीगुरुहसमनरु ॥ ॐ ऊं ऊं ऊं काशीवल्लयदा ॥

सर्वायदवसंरुं वमरुविशामरुर्द्धि ॥ काधृकनाद्विवि

चकक्षवित्रुयाद्वकुवत्रकी ॥ मरुवादिमीनपर्यन्ताय

मास्यहिमीयदं सधामनियुष्टिसर्वसिद्धिं कुर्वन्तु धनकर्म

याग गसूर्यसामहीयुक्वृद्धद्वयगुनृद्धगुणाहानिश्च
शायकानाहककुजनायकसमनसशादक्षनाद्यायाथनदान
काउक्तपूजातुं वजावायमूर्तिस्वाकृष्टद्वय्यनसशाक
न ॥ तुं वजावायमूर्तिरुक्तादीनसशाका किलखनया
तुं वजावायमूर्तिरुक्तादीनसशाका किलखनया
वायमूर्तिरुक्तादीनसशाका किलखनया
वायमूर्तिरुक्तादीनसशाका किलखनया

दानंदलख ॥ गसनविद्याश्रयकाय ॥ ॥
कृतिदापूजा विधिसमाप ॥ ॥ भुरुसम्बन्धु
किष्कृष्णकृष्णवादसिधयकादिनअसीनासननी
यावजावायमूर्तिरुक्तादीनसशाका किलखनया
वायमूर्तिरुक्तादीनसशाका किलखनया
वायमूर्तिरुक्तादीनसशाका किलखनया
वायमूर्तिरुक्तादीनसशाका किलखनया

१वोले ध्याय धलक मम

१धुर्वयादिग

१मदाकाल

१दगदश

१चमुलख

१याभिकी

१कमलागिधु

१दीदले

१नशानिग

१कनिमालश

१मिमिश

१समदा

१यनीध

१गुवाला

१चगुनीश

१यगाइ

१सदन

१किनिधन

१कागधन

१मनिबुदक

१मनिनिग

१वकध

१लादश

१वासादि

१ममधानि

१डागादश

१वावहि

१वावदिधनाय

१लाकसनादश

१ददवदि

१धीगुधधनि

१मुगधनि

१यसयदि

१धिभाद

१रुवनधनि

१वहुनादश

१ नाऊं ध्यनी
 १ जयवागी ध्यनी
 १ रवीरुवाली
 १ दिगं नाली
 १ मधुन ध
 १ सिधादीने
 १ निद्राध
 १ नदल
 १ भायगाई
 १ नाऊं दग्गु
 १ चनाम
 १ मयफिथि
 १ निसान रुवा
 १ सइइमना
 १ नाइयाम
 १ यलककिफि
 १ डिदकी
 १ क्रुपुपु
 १ क्रुमलधन
 १ दयमाइ

१ मुञ्ज
 १ यन्मन
 १ नसाव
 १ भावाध
 १ फागादिनि
 १ दगुवादी
 १ रुमीर
 १ कालीक
 १ डिरेनु
 १ रिफिमना
 १ रुमीवादी
 १ मगीमना
 १ नायध्यनी
 १ रुनुमन
 १ यारथ
 १ पंहुयाकनक॥

१ दिकिनया॥
 १ दिकिनसमान
 १ कोइइम
 १ सारवनायायन
 १ कौनु
 १ रुंयि
 १ वपाअधन
 १ वरवुविथि
 १ कल.वग
 १ लोदकाद
 १ सिदिवल
 १ ०१इऊ काइ
 १ नाऊं नरु
 १ यणा रुया
 १ विनाको
 १ लदधान
 १ डागा
 १ नदक
 १ चोवाका
 १ कौधुनो
 १ दानागा

